678

3.10.17

मंगलवार

आत्मा

"सदगुरु" आपको श्रद्धा
करना सिखलाता है,
फीर आप सभी पर
"श्रद्धा" कर सकते हो

बाबास्वामी
3.10.17

679

5.10.17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"सदगुरु" आपको प्रेम
करना सीखलाता है।
फीर आप सभी को
"प्रेम" कर सकोगे.

बाबास्वामी
5.10.17

682

7-10-17

शनिवार

ॐ

आत्मा

नैसर्गीक तत्व जैसे हवा, पानी प्रकाश की दुकान नही होती ठिक वैसेही "गुरु कृपा" की दुकान नहीं होती है, वह "निशुल्क" है।

बाबास्वामी
2/10/17

683

8-10-19

रविवार

❀ आत्मा ❀

सदगुरु आपकी वैसाखी नही बनता आपको आपके पैरो पर "चलना" सीखाता है।

आभार-वार्मी
8-10-19

684

9-10-17

सोमवार

आत्मा

मनुष्य को सहारा लेने की आदत है, सदगुरु का सहारा मन को वह तो "दिप स्तंभ" है,

बाबास्वामी

9.10.17

685

10-10-17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"सद्‌गुरु" जो आपको बांधता है, वह सद्‌गुरु नहीं दुकानदार होगा और वह आपको ग्राहक समझता होगा।

बाबास्वामी
10.10.17

686
11-10-17
बुधवार

❀ आत्मा ❀

"सद्गुरु" तो कसौटी
पत्थर है, वह सोना
क्या है, वह बताकर
छोड़ देगा निर्णय
आप पर छोड़ देगा।

आचार्यश्री
11-10-17

687

12-10-17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आप "सदगुरु" को जिवन मे
जान लो तो आप अपने
"आप" को भी जान लोगे

बाबास्वामी
12-10-17

688

13-10-17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

अपने घर तक पहुंचने
का मार्ग "सदगुरु"
रूपी द्वार से ही
जाता है।

बाबास्वामी
13-10-17

689

14-10-17

शनीवार

आत्मा

मंत्र से केवल मन पर
नियत्रंण हो सकता है।
शरीर पर आत्मा का
नियत्रंण तो "सदगुरु"
के बीना संभव नही है।

बाबास्वामी
14.10.17

690
15-10-17
रविवार

❀ आत्मा ❀

वर्तमान समय मे मुझे
तो "परमात्मा" मेरे "सदगुरु"
के माध्यम से ही मीला
बाद मे मेरी परमात्मा
की खोज समाप्त हो गयी।

बाबास्वामी
15/10/17

691

16.10.17

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" को कभी भी पाया नही जा सकता हमे सब पाने की आदत है, इस लीये हम उसे भी पाने का प्रयास करते है।

बबिता वर्मा
16.10.17

692

17-10-17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

प्रयास कीये जाते है,
शरिर से, और शरिर
से पाया जाय वह कभी
"परमात्मा" नही हो सकता।

बाबस्वामी
17-10-17

18-10-17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा को पाने के
प्रयास भी जब समाप्त
हो जाते है, तब कही
"परमात्मा" मीलता है।

बाबास्वामी
18.10.17

694

19.10.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" एक नैसर्गिक विश्वचेतना शक्ती है, उस पर किसी का भी नियंत्रण नही है,

बाबास्वामी
19.10.17

दिपावली पर खुब खुब आशिर्वाद यह उपरोक्त "सत्य" जानलो तो दिवाली ही दिवाली है,

20.10.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"सुर्य" के प्रकाश पर क्या किसी का भी नियत्रंण है, यह ठिक वैसा ही है।

बाबास्वामी
20.10.17

696

२१.10.17

शनीवार

आत्मा

सुर्य प्रकाश तुम्हारे घर
मे आये यह तुम्हारे हाथ
मे नही है,
केवल घर के दरवाजे
"खिडकीया" खोलकर
रखना तुम्हारे हाथ मे
है।

बाबास्वामी
२१.10.17

697

22.10.17

रविवार

आत्मा

अपने ह्रदय की भी खिड़कीया हमे खोलकर रखना होती है, और "सदगुरु" रूपी परमात्मा के आने का इंतजार करना होता है,

बाबास्वामी
22.10.17

698

23.10.17

सोमवार

❀ आत्मा ❀

कई बार यह "इंतजार"
तो कई जन्मो तक
करना होता है.

बाबा स्वामी
23.10.17

699

24.10.17

मँगलवार

❀ आत्मा ❀

क्योंकी कई बार तो "परमात्मा" हमारे दरवाज़े पर खड़ा होता है, पर हमारा "दरवाजा" हमने ही अंन्दर से बंद कीया होता है.

बाबा स्वामी
24.10.17

700

25-10-17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा की कृपा होने
पर ही वह "सद गुरु"
के माध्यम से हमे
चैतन्य के रूप मे
अनुभव होना है,

बाबास्वामी
25.10.17

701

26.10.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

सदगुरु भी परमात्मा
के चैतन्य का "माध्यम"
है। लेकीन "सदगुरु" भी
परमात्मा नही है,

स्वामी
26.10.17

27.10.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

कोई भी रूप "परमात्मा" नहीं हो सकता क्योंकी परमात्मा "निराकार" है।

आत्मस्वामी

27.10.17

703

28.10.17

शनिवार

❀ आत्मा ❀

आकार मे परमात्मा "सद्गुरु" है. और आकार मे हम होने के कारण हम आकार के माध्यम से ही "निराकार" तक पहुच सकते है,

बाबास्वामी
28.10.17

704

29.10.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

और आकार तक भी
पहुचने के लिये हमें
निरवालस होना होगा।
"पवीत्र आत्मा" होना होगा

आवास्वामी
29.10.17

205

30.10.17

सोमवार

❀ आत्मा ❀

जब हम आकार मे रहने
हुये भी आकार के दोषो
से मुक्त होते है, तब
हमारे जिवन सदगुरु
रूपी आकार मे "परमात्मा"
प्रगट होता है,

बाबास्वामी
30.10.17

706

31.10.17

मंगलवार

ॐ आत्मा ॐ

परमात्मा केवल एक है, देवत्व "सत्य" है, और देव (रूप) हमने निर्माण कीये है।

बाबास्वामी
31.10.17